

म्हारे होली खेलन आइये

हो म्हारे होली खेलन आइये हो कृष्ण गोपाला ॥

बागों में तेरी राह देखुगी ॥
तू मतना बाँट दिखाइये, हो कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे

चुपके -॥ चाला आइये ॥
मत साथ किसेन लाइये, हो कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे

दूध मलाई मैं दूंगी पीवण न ॥
हो तू माखन मिश्री खाइये हो , कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे

मैं काहना तेरे रंग मसलुंगी ॥
तू गुलाल लगाइये, हो कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे.....

घर-घर के माह खुशी हो मनावे ॥
देशी का पकवान बनावे ॥
तू आके भोग लगाइये, हो कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे

तेरे प्यार की या राधा प्यासी ॥
तू आके दर्श दिखाइये , हो कृष्ण गोपाला ॥

कह मुरारी तेरे हो नाम का ॥
हो दर्श करा दे सुरग दाम का ॥
तू आके रास रचाइये, हो कृष्ण गोपाला ॥
हो म्हारे होली खेलन आइये हो कृष्ण गोपाला -॥

स्वर - कौशिक

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2700/title/mhare-holi-khelan-aaie-ho-krishan-gopala>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |